इदाहो से कामयाबी की कहानियाँ

हमारे हाईस्कूल में एक नई लाईब्रेरियन आई है ... जो कि बाकी कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उसने बच्चों के लिए लाईब्रेरी को एक अध्ययन कक्ष, शोध और अनुसंधान के माध्यम की तरह इस्तमाल किया है। उसने शिक्षकों को प्ररित कर उनको लिखाई, तकनीक व विषय अनुसंधान के कार्य में प्रतिभागी बना लिया है। बच्चे स्कूल से पहले व उसके पश्चात लायब्रेरी में उपलब्ध तकनीकी माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं। यह कहानी दो कारणों से महत्वपूर्ण है। पहला, हमारा निःशुल्क व घटी हुई किमत पर उपलब्ध खाने पर आश्रित लागों की संख्या जिले में सबसे ज्यादा है। तो इसलिए घर पर कम्प्युटर की उपलब्धता बहुत ही सीमित है। दूसरा, हमारे विद्यालय में शरणार्थी जनसंख्या सबसे अधिक में से है जिसके कारण बच्चों का स्कूल में दाखिला ही चुनौतिपूर्ण रहा है। – *प्रबंधक जिला दफ़्तर*

हमारी लाइब्रेरियन हर सप्ताह हर कक्षा को छोटी सी कहानी सुनाती है, इसके अलावा सप्ताह के दौरान स्वाधीनता से पढ़ने के लिए बच्चों को किताब का चुनाव करने में भी सहायता करती है। वह स्कूल परामर्श समिति की अध्यक्षता करती है और लाईब्रेरी साल में कई दफा परिवारों और छात्रों के लिए स्कूल के बाद के घंटों में खुलवाती है। हम इन्हें 'अभिभावक पाठ रात्री' (read with the parent night) कहते हैं। वह हमारे स्कूल के लिए बहुमूल्य है। – *प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय*

जब से नई लाइब्रेरियन ने कार्यभार संभाला है, लाईब्रेरी ऐसी जगह बन गई है जहाँ छात्र जाना व जाकर पढ़ना पसंद करते हैं। किताब–वितरण संख्या नाटकीय रूप से बढ़ी हैं और एक छोटे स्कूल के लिए किताबों का यह संग्रह एक उपलब्धि है। मुझे लगता है कि ये कोई इत्तेफ़ाक नहीं है, जैसे–जैसे वितरण की संख्या बढ़ी है ISAT के अंक भी बढ़े हैं। – *प्रधानाचार्य उच्च विद्यालय*

परामर्श

Idaho School library Impact Study – 2009: How Idaho Librarians, Teachers and Administrators Collaborate for Students Success. Idaho Commission for libraries, 2010.